प्रांजल

हिंदी पाठमाला

5

1. वंदना

(क) 1. (ii) कोयल
2. (iii) गुरु के
3. (ii) फूलों के
4. (iii) कंचन

(ख) 1. कवि ईश्वर से इस बात की क्षमा माँग रहा है कि जीवन में जो कार्य और पथ उत्तम न रहा हो, उस पर जो हम चले, उसके लिए क्षमा करें।
2. कवि ईश्वर से आकाश जैसा विशाल और उन्मुक्त हृदय पाना चाहता है।
3. कवि गुरुचरणों में शीश झुकाना चाहता है।
4. कवि कोयल जैसी तान सुनाकर, निर्मल फूलों को भाँति मुस्कुराकर और आसमान जैसा उन्मुक्त (विशाल एवं द्वेषरहित) हृदय पाकर, सेवा में न शरमाकर और गुरु चरणों में शीश झुकाकर ईश्वर की कृपा पाना चाहता है।

(ग) 1. तान सुनाएँ
निर्मल फूलों-सा
उन्मुक्त हृदय दो
सेवा में न तनिक

(घ) कवि ईश्वर की अनुकम्पा द्वारा ऐसे नव-वेला रूपी जीवन की कामना कर रहा है जिसमें परोपकार की भावना, मानवता, सत्यवादिता, त्याग, तप एवं दया आदि सद्‌गुणों का समावेश हो।

(ङ)

कोकिला	श्यामा
पुष्प	प्रसून
आकाश	आसमान
धारणा	मेधा
कनक	कुंदन
प्रातः	सवेरा

(च)

मृत्यु	अंधकार
असत्य	अहित
कलुषता	

(छ)

कृपा	प्रकाश
निर्मल	चंद्रमा
ट्रक	पर्व

(ज) (क) सत्य बोलने की क्षमता दो,
दया-दान दो निर्मलता दो।
(ख) ऐसा बल-विवेक हमको दो,
जिसमें अंश नहीं तम का हो।

(झ) प्रस्तुत कविता में कवि ने मीठा बोलना, फूल-सा मुस्कुराना, आकाश जैसी स्वच्छता और विशालता, सेवा भाव, गुरुओं का आदर करना, सत्य बोलना, दयाभाव, दानशीलता और निर्मलता, त्याग, साफ, कलंकरहित जीवन, परोपकार की भावना, सोने जैसा निखरा जीवन चाहा है। वह एक नई सुबह लाने की ओर अग्रसर हो, ईश्वर से ऐसी शक्ति भी चाहता है।

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**

  यदि मुझे ईश्वर मिल जाये तो मैं उनसे सभी के लिए एक ऐसा समाज के निर्माण के लिए विनय करूँगा जिसमें सभी बिना भेदभाव के रह सके, किसी प्रकार की आर्थिक परेशानी न हो। सभी मेहनत करके प्रेमभाव और भाईचारे के साथ जीवन व्यतीत करें।

❑

2. हाथी कैसे तौला गया

(क) 1. (iii) हाथी अभी भी राजा को अपनी पीठ पर बिठाकर नगर और जंगल घुमा सकता था।
2. (ii) हाथी के भार के बराबर सोने की अशर्फियाँ
3. (iii) एक निर्धन मछुए ने
4. (ii) कारीगर
5. (iv) सौ दिन

(ख) 1. मूल्यवान
2. अशर्फियाँ
3. मछुए
4. निशान
5. अंकित

(ग) 1. राजा को हाथी प्रिय था क्योंकि हाथी अनेक युद्धों में अपनी बहादुरी तथा साहस दिखा चुका था।
2. राजा अपने प्रिय हाथी के भार के बराबर सोना निर्धनों में बाँटना चाहता था।
3. अपने मंत्रियों तथा सैनिकों के साथ मछुए के गाँव के लिए चल पड़ा।
4. मछुआरे ने एक नाव बनवायी और हाथी को पानी में तैर रही नाव में चढ़ा दिया। नाव जितनी पानी में डूबी वहाँ उसने निशान बना दिया। उतनी अशर्फियाँ तब तक तुलवायी जब तक उस अंकित निशान तक नाव पानी में डूबी।
5. आजकल बड़े कांटों पर हाथी को तुलवाया जा सकता है।

(घ)

1. कर्मचारी	राजा
2. राजा	कर्मचारी
3. मछुआरा	राजा
4. राजा	मछुआरा

(ङ) 1. भूतकाल
2. वर्तमान काल
3. भविष्यत् काल
4. वर्तमान काल
5. भविष्यत् काल
6. भूतकाल

(च)

	निर्धन
हाफना	तौलना
विधि	सहस्र
शहतीर	महावत

(छ)

	मशीनें
तालियाँ	सेनाएँ

- **विचार कौशल**
  छात्र स्वयं करें।
- **जीवन कौशल एवं मूल्य**
  जीवन में हमारे समक्ष जो घटनाएँ घटित होती हैं उनको ध्यानपूर्वक देखकर उनका मंथन करना चाहिए। वैज्ञानिक ज्ञान को बढ़ाना चाहिए वहीं कलात्मक रुचियाँ बढ़ानी चाहिए।

❑

3. माता को पत्र

(क) 1. (iv) प्रभावती
2. (ii) स्वार्थरहित
3. (iii) रोना
4. (ii) आर्यवीर
5. (ii) जड़ता

(ख) 1. यह पत्र सुभाषचंद्र बोस ने अपनी माता प्रभावती देवी को लिखा है।
2. पहले आर्यवीर भारतमात्रा की सेवा हेतु अपना बहुमूल्य जीवन प्रसन्नता से न्योछावर कर देते थे।
3. देशवासियों की दुर्दशा देखकर देश रुदन कर रहा था।
4. जब मनुष्य पशुओं के समान खाने और सोने से संतुष्ट रहे, इंद्रियों का दास बना रहे, केवल अपनी चिंता करे तब मनुष्य पशु के समान बन जाता है।
5. सुभाषचंद्र बोस ने ईश्वर से प्रार्थना कि वे संपूर्ण जीवन दूसरों की सहायता में बिता सकें।

(ग) समयाभाव — समय का अभाव
हृदयहीन — हृदय से हीन
स्वार्थपूर्ण — स्वार्थ से पूर्ण
स्वार्थरहित — स्वार्थ से रहित

(घ) चीजें — यात्राएँ
संतानें — सेवाएँ
बातें — आशाएँ
जड़ें — प्रार्थनाएँ
परीक्षाएँ — माँ
माताएँ

(ङ) अशिक्षित — अभिशाप
अस्वस्थ — खेद
पिछला — अनावश्यक
कपूत — अयोग्य
स्वार्थी — अहित

(च) भारतवासी
मूल्यवान्
कठोर
स्वार्थी

(छ) अतिरिक्त — बहुमूल्य
अधिकार — सपूत
उपदेश — दुर्दशा
सहयोग — दुर्भाग्य
कुपात्र — सानंद

- **विचार कौशल**

जिस देश में हम जन्म लेते हैं उस देश की मिट्टी, जल, वायु, जीव-जन्तुओं, उसकी भूमि एवं हर चीज से मोह ही देशप्रेम है। इन सब चीजों की सुरक्षा के लिए स्वयं को न्यौछावर करने की भावना ही सच्चा देश-प्रेम है।

1. जिस मिट्टी में पले बढ़े हैं, वह देश हमारा है।
2. देश की रक्षा करना हमारा दायित्व है।
3. देश के सभी नागरिक देश की उन्नति हेतु जिम्मेदार हैं।
4. देश की सेवा ईमानदार और कर्त्तव्यनिष्ठ बनकर की जा सकती है।
5. बड़े होकर सेना का अंग बनकर अपना पुनीत कर्त्तव्य निभा सकते हैं।

❑

4. कृष्ण की बाल-छवि

(क) 1. (i) दूध पीना
2. (iii) मोल का लिया हुआ
3. (ii) सूरदास
4. (i) बलराम जन्म से झूठा और धूर्त है।

(ख)

1. दूध	छोटी
2. काढ़त	नागिन
3. मोल	जसुमति
4. नन्द	स्यामल
5. गोधन	पूत

(ग) 1. माता यशोदा कृष्ण से यह कहकर दूध पिलाती थीं कि तुम दूध पियोगे तो तुम्हारी चोटी बढ़ जायेगी।
2. कृष्ण दूध पीने के लिए इसलिए राजी हो गये कि इससे उनकी चोटी बढ़ेगी।
3. बलराम कृष्ण से कहते थे तुझे तो पैसे देकर खरीदा है तुझे यशोदा माता ने कब जन्म दिया है।
4. कृष्ण ने यशोदा से बलराम की शिकायत की।
5. माता यशोदा ने कृष्ण से कहा कि बलराम तो जन्म से ही झूठा और धूर्त है।

(घ) 1. कृष्ण कहते हैं कितनी बार मैंने दूध पिया, यह चोटी अभी भी छोटी है।
2. कृष्ण, यशोदा से कहते हैं कि कच्चा दूध पिलाती हो और माखन रोटी नहीं देती हो।
3. कृष्ण यशोदा से कहते है कि बलराम मुझसे कहते हैं मुझे पैसे देकर खरीदा है। माता यशोदा ने तुझे कब पैदा किया है अर्थात् तू यशोदा माता का पुत्र नहीं है।
4. माता यशोदा कृष्ण से कहती है, सुनो कृष्ण बलराम तो जन्म से ही झूठा और धूर्त है।

(ङ) छात्र स्वयं देखे।

(च)

लाँबी-मोटी	हरि-हलधर
माता-पिता	पशु-पक्षी

(छ)

सुरभि	जनक
श्याम	तनुज
नेत्र	

(ज)

नागिन	न् + आ + ग् + इ + न् + अ
चिरजीवहु	च् + इ + र् + अ + ज् + ई + व् + अ + ह् + उ
यशोदा	य् + अ + श् + ओ + द् + आ
कृष्ण	क् + र् + ष् + ण् + अ

(झ) छात्र स्वयं करें।

- **विचार कौशल**
  श्रीकृष्ण अनेक बार दूध पी चुके हैं लेकिन उनकी चोटी नहीं बढ़ी, जबकि माता यशोदा कहती हैं कि दूध पियोगे तो तुम्हारी चोटी बढ़ जायेगी।
- **कला समन्वय**
  छात्र स्वयं करें।

❑

5. श्रवण कुमार

(क) 1. (iii) तीर्थयात्रा करने की
2. (ii) काँवर
3. (i) श्रवण को
4. (ii) दशरथ
5. (iii) आज्ञाकारी

(ख) 1. श्रवण कुमार के माता-पिता ने अपने पुत्र से तीर्थयात्रा पर जाने की इच्छा प्रकट की।
2. श्रवण कुमार ने एक बड़ी काँवर बनवायी।
3. दशरथ ने गड़-गड़ की आवाज सुनी और जानवर की आवाज समझकर उसी दिशा में तीर चला दिया।
4. श्रवण ने राजा दशरथ से कहा कि हे राजन! मेरे माता-पिता पास ही एक पेड़ के नीचे बैठे हैं। वे प्यासे हैं। उन्हें यह जल पिला देना।
5. श्रवण के माता-पिता ने राजा दशरथ को शाप दिया और कहा कि तुमने हमारे पुत्र को मारा है, जैसे हम पुत्र के वियोग में प्राण त्याग रहे हैं। तुम भी हमारी तरह पुत्र के वियोग में प्राण त्यागोगे।

(ग) 1. इकलौता
2. काँवर
3. माता-पिता, जल
4. दशरथ

(घ)

प्राचीन	नदी
बालक	जंगल
आज्ञा	जानवर
इच्छा	पेड़
गर्व	पुत्र

(ङ) आज्ञाकारी
अंधा
शिकारी
तीर्थयात्रा
मातृपितृभक्त

(च) 1. हम अपने पुत्र के वियोग में प्राण त्याग रहे हैं।
2. उनकी बात सुनकर श्रवण के माता-पिता विलाप करने लगे।
3. जानवर की जगह श्रवण को देखकर पश्चाताप करने लगे।

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**
  छात्र स्वयं करे।
- **कला समन्वय**
  छात्र स्वयं करें।

❑

6. यक्ष के प्रश्न

(क) 1. (iii) क्रोध
2. (ii) नकुल
3. (i) केवल एक भाई को।
4. (ii) पानी पीने से पहले उसे यक्ष के प्रश्नों का सही उत्तर देना होगा।
5. (ii) मन

(ख) 1. कुंती
2. पानी
3. साहस
4. क्रोध

(ग) 1. युधिष्ठिर ने अपने भाइयों को पानी लेने भेजा जहाँ पानी मिल सके, क्योंकि वे प्यासे थे।
2. सभी भाइयों ने पानी पीने से पहले यक्ष की आवाज सुनी। यक्ष ने सभी से कहा यह उसका तालाब है पानी पीने से पहले उसके प्रश्नों का उत्तर दो अन्यथा तुम्हारी मृत्यु हो जायेगी।
3. उन्होंने यक्ष की आवाज को अनसुना कर दिया और बिना उसके प्रश्नों का उत्तर दिये तालाब का जल पी लिया।
4. युधिष्ठिर कुंती के पुत्र थे, नकुल माद्री के पुत्र थे। अत: दोनों माताओं का एक-एक पुत्र तो जीवित रहेगा। यही न्याय की दृष्टि से उचित रहेगा।
5. युधिष्ठिर के उत्तर से प्रसन्न होकर यक्ष ने उनके सभी भाइयों को जीवित कर दिया।

(घ) 1. व्यक्ति को खतरे से साहस बचाता है।
2. मनुष्य का मन वायु से भी तेज चलता है।
3. माता-पिता, पृथ्वी और आकाश से बड़े है।
4. मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु क्रोध है।
5. अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है।

(ङ) उदाहरण

कर्ता	**क्रिया**
2. अर्जुन	पी लिया
3. युधिष्ठिर	उत्तर दिया
4. यक्ष	जीवित कर दिया
5. मन	चलता है।

(च)

वियोग	असन्तुष्ट
मलिन	जीवित
दृश्य	अप्रसन्न

(छ) 1. अदृश्य
2. शाश्वत
3. सदाचारी
4. प्रशंसनीय
5. उद्दण्ड

(ज)

दुष्कर	निस्सहाय
दुर्भाग्य	निर्बल
दुर्दशा	निर्जीव

- **विचार कौशल**

(झ) छात्र स्वयं करें।

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**

छात्र स्वयं लिखे।

❑

7. ओलंपिक खेल

(क) 1. (ii) हरक्यूलिस
2. (ii) 1888
3. (iii) टोक्यो
4. (ii) चार वर्ष
5. (ii) 32 वाँ

(ख) 1. मनुष्य के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए भोजन एवं शिक्षा के अलावा खेलकूद भी अत्यन्त आवश्यक है।

2. खेलों का उद्देश्य खिलाड़ियों में छिपी प्रतिभा और शक्ति को विकसित करना है।

3. ईसा से लगभग बारह सौ वर्ष पूर्व यूनान के 'ओलंपिक' नामक स्थान पर ओलंपिक खेलों का आयोजन किया गया। इस खेल के जन्मदाता हरक्यूलिस थे।

4. ये फ्रांस के एक प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री थे। आधुनिक ओलंपिक खेलों को प्रारम्भ करने का श्रेय बैरन पियरे द कुबर्तिन को है। यह पहला ओलंपिक सन् 1896 ई० में एथेंस में आयोजित हुआ।

5. (i) पहले ओलंपिक खेल ईसा से लगभग 1200 वर्ष पूर्व यूनान के ओलंपिक नगर में आयोजित हुए।

(ii) उस समय इन खेलों में दौड़-कूद, रथ दौड़, भाला फेंक, कुश्ती, मुक्केबाजी आदि प्रतियोगिताएँ होती थीं।

(iii) ओलंपिक ध्वज की पृष्ठभूमि सफेद है, उस पर एक दूसरे से गुथे हुए पाँच गोले बने हैं।

(iv) ये पाँच गोले, पाँच महाद्वीप के प्रतीक है।

(v) ओलंपिक खेल 4 वर्ष पश्चात् आयोजित होते हैं।

(vi) 32 वें ओलंपिक खेल 2020 में टोक्यो में हुए।

(ग)

1. ओलंपिक खेल प्रत्येक	धावक उठाकर लाते हैं।
2. ओलंपिक मशाल को	एक-एक महाद्वीप के प्रतीक हैं।
3. ओलंपिक ध्वज की	चार वर्ष बाद आयोजित किये जाते हैं।
4. उस पर गुथे हुए पाँच गोले	पृष्ठभूमि सफेद है।

(घ)

दुर्भाव	पराजय
उद्दण्ड	मुख्यभूमि
शारीरिक	शत्रुता
निरुद्देश्य	नापसंद
प्राचीन	दूर

(ङ)

खिलाड़ियों	देशों
विद्यालयों	महिलाएँ
प्रतियोगिताएँ	बातें
	वर्षों

(च)

एकत्रित
विकसित
शिक्षित
शारीरिक
मानसिक
प्रारंभिक
आधुनिक

(छ)

1. के
2. को
3. में

4. की से
5. का के

- **विचार कौशल**

(ज) छात्र स्वयं करें।

- **कला समन्वय**

छात्र स्वंय करें।

❑

8. एक बूँद

(क) 1. (iii) बादलों की
2. (i) कमल के फूल में
3. (iii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
4. (ii) मोती

(ख) 1. बूँद ने घर से निकलकर सोचा कि वह घर से क्यूँ निकली। कही अनर्थ ही न हो जाए।

2. बूँद देव से कह रही है कि उसके भाग्य में पता नहीं क्या लिखा है वह बचेगी या धूल में मिल जायेगी या किसी अंगारे पर गिर जल जायेगी या कमल के फूल पर गिर पड़ेगी।

3. हवा उसे समुंदर की ओर ले गई।

4. घर छोड़ने में लोगों को झिझक होती है कि घर छोड़ने के बाद उनका क्या होगा। वे भविष्य के प्रति सशंकित होते हैं।

5. घर छोड़कर कभी-कभी व्यक्ति जिस तरह बूँद सीप के मुँह में गिरकर मोती बन जाती है, उसी प्रकार घर छोड़कर प्राय: व्यक्ति का जीवन सँवर जाता है।

(ग) उस काल एक ऐसी हवा,
वह समुंदर ओर आई अनमनी।
एक सुंदर सीप का मुँह था खुला,
वह उसी में जा गिरी, मोती
यों ही झिझकते, सोचेते,
जबकि उनको छोड़ना पड़ता है घर।
किंतु घर का छोड़ना अकसर उन्हें,
बूँद लौं कुछ और ही देता है

(घ)

कढ़ी	वह
कर	सुंदर
फूल	सोचते
मिलूँगी	घर

(ङ) उस समय एक ऐसी हवा चली जिससे बेमन से बूँद समुंदर की ओर आ गई। एक सुंदर सीप का मुँह खुला था। वह बूँद उसी में जाकर गिर गयी और मोती बन गई।

(च) 1. हवा बोली, ''मैं तुम्हें समुंदर की ओर ले जाऊँगी।''
2. सीप कहने लगी, ''एक बूँद मेरी ओर चली आ रही है।''
3. वर्षा बोली, ''घर छोड़ते समय तुम क्यों घबरा रही हो?''
4. बूँद बोली, ''वाह मैं तो मोती बन गई।''

(छ)

1. मेघ	वारिद
2. किस्मत	नियति
3. राजीव	सरोज
4. जलधि	सिंधु

- **विचार कौशल**

(ज) छात्र स्वयं लिखे।

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**

वर्षा की बूँद से हमें प्रेरणा मिलती है कि व्यक्ति को साहसी होना चाहिए। जब भी कोई कार्य करें तो साहस का परिचय दें। घर छोड़े तो झिझके नहीं, परिस्थितियों के बदलने से जीवन अकसर खुशहाल हो जाता है।

❑

9. भामाशाह का त्याग

(क) 1. (iii) चित्तौड़
2. (ii) अरावली
3. (iii) सोने के
4. (ii) भामाशाह ने
5. (ii) अकबर ने

(ख) 1. महाराणा प्रताप अरावली पर्वत के वनों में अपने परिवार तथा कुछ राजपूत सैनिकों के साथ दर-दर भटक रहे थे।

2. चित्तौड़ पर अकबर ने अधिकार कर लिया था।

3. महाराणा प्रताप को बस एक ही धुन थी कि चित्तौड़ की पवित्र भूमि पर कैसे अधिकार करें।

4. अंत में एक दिन महाराणा ने प्यारी जन्मभूमि को छोड़कर राजस्थान से बाहर जाने का निश्चय किया।

5. यह बात भामाशाह ने महाराणा प्रताप से कही।

6. भामाशाह ने घोड़ों पर अशर्फियों के थैले लादे हुए थे जिन्हें उन्होंने महाराणा प्रताप को विनम्रता से भेंट किया, जो एक महान त्याग था।

(ग) 1. (✗) 2. (✓) 3. (✓)
4. (✗) 5. (✓)

(घ)

शैल	नग
अरण्य	जंगल
अश्व	तुरंग
संघर्ष	समर
कर	हस्त

(ङ)

कर्त्तव्य	अनिश्चय
अपवित्र	दुर्भाग्य
आशा	अनुदार

(च) चट्टाने
हथियारों
पुरुषों
बीजों
वनों

(छ) **अधिकार** प्राप्त करके नागरिक अपना बहुमुखी विकास कर सकते हैं।
नसीब पर निर्भर न रहकर परिश्रम करना चाहिए।
पवित्र जीवन समाज में एक उदाहरण प्रस्तुत करता है।
उत्साह से किया गया कार्य सफल होता है।
अनाथ बच्चों की सहायता करना हमारा कर्त्तव्य है।
एकत्र होकर सभी ने जयघोष किया।

(ज) 1. सम्बन्ध का की के
2. कर्म को
3. अधिकरण में
4. करण से
5. अधिकरण में

- **विचार कौशल**

किसी भी राज्य पर विजय प्राप्त करने के लिए हथियारों से सुसज्जित एक कुशल सेना एवं सेनापति की आवश्यकता होती है। अच्छी सेना रखने के लिए सैनिकों को वेतन देना पड़ता है, अच्छे हथियार और घोड़े खरीदने पड़ते हैं। अत: पर्याप्त धन की जरूरत होती है। जैसा पाठ में पढ़ा। भामाशाह ने महाराणा को धन देकर फिर से सेना खड़ी करने में सहायता की।

❑

10. अभ्यास का महत्त्व

(क) 1. (iii) पाँच वर्ष
2. (ii) तीन-तीन साल
3. (iii) महापण्डित के पद पर
4. (iii) 'लघु सिद्धान्त कौमुदी'
5. (iii) कुआँ

(ख) 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗)
4. (✓) 5. (✗)

(ग) 1. वरदराज बचपन में एकदम मंदबुद्धिबालक था। उसे कुछ भी याद नहीं रहता था।
2. वरदराज को गुरुजी ने इसलिए पाठशाला से घर वापस भेज दिया; क्योंकि काफी प्रयत्न के पश्चात् भी वह पढ़ना-लिखना नहीं सीख पाया। उसे गुरुजी ने अयोग्य समझा।
3. वरदराज ने सोचा बार-बार रगड़ से कोमल रेशों से बनी रस्सी पत्थर को काट सकती है, तो लगातार परिश्रम करने से उसे पढ़ना-लिखना क्यों नहीं आ सकता।
4. लगन और अभ्यास से कठिन विद्या को भी सीखा जा सकता है।

(घ) 1. मुंडेर 2. किस्मत
3. संसार 4. दिमाग
5. ज्ञान 6. बहुत

(ङ) 1. सभी बच्चे उसकी खिल्ली उड़ाएँगे।
2. मैंने परिश्रम किया।
3. रस्सी की रगड़ से कुएँ के पत्थर में निशान बन जाते हैं।
4. उसे पाठशाला से निकाल दिया जायेगा।

- **विचार कौशल**

(च) प्राचीन गुरुकुल शिक्षा में गुरु के आश्रम में रहकर शिक्षा प्राप्त करनी होती थी। इस शिक्षा से छात्र में ज्ञान और संस्कार का उदय होता था। छात्र अनुशासित होकर एक ज्ञानी बनता था। इसमें गरीब बच्चे भी पढ़ लेते थे। वे दिन में गुरु के कार्य करते थे और रात में पढ़ते थे। आज शिक्षा ज्ञान विज्ञान पर आधारित है। बच्चे अपने घर से विद्यालय जाते हैं, पर उतने अनुशासित और संस्कारित नहीं है यद्यपि डिजिटल इण्डिया होने से तकनीक विशेषकर मोबाइल, लैपटॉप की मदद से देश-विदेश और प्रौद्योगिकी में बेहतर है। अंग्रेजी और विज्ञान के अध्ययन ने आधुनिक पाठशालीय शिक्षा को गुरुकुल शिक्षा की अपेक्षा विश्व से अधिक जोड़ा है।

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**

छात्र स्वयं करें।

❑

11. सत्यवादी हरिश्चंद्र

(क) 1. (iii) तारामती
2. (ii) विश्वामित्र
3. (iii) कालू
4. (ii) सम्पूर्ण राज्य
5. (ii) रोहिताश्व को

(ख) 1. राजा हरिश्चंद्र सत्यवादी, परोपकारी, दानी और त्यागी राजा थे।
2. देवराज इंद्र की प्रेरणा से मुनि विश्वामित्र ने राजा हरिश्चंद्र की सत्यवादिता और दानशीलता की परीक्षा लेने का निश्चय किया।
3. राजा हरिश्चंद्र को श्मशान घाट के मालिक कालू नामक डोम ने खरीदा।
4. राजा ने स्वयं को और तारामती व रोहिताश्व को बेचकर दक्षिणा का प्रबंध किया।
5. तारामती ने अपनी साड़ी का कुछ हिस्सा फाड़कर श्मशान का कर चुकाया।

(ग)

किसने	किससे
1. विश्वामित्र	राजा हरिश्चंद्र से
2. हरिश्चंद्र	तारामती
3. विश्वामित्र	हरिश्चंद्र से

क्यों 1. जब तुमने सारा राज्य दान में दे दिया तब राजकोष तुम्हारा कैसे रहा?
2. तुम्हें कर अवश्य देना पड़ेगा। उस कर से कोई मुक्त नहीं हो सकता।
3. तुम्हारी परीक्षा ली जा रही थी। क्योंकि हम देखना चाहते थे कि तुम किस हद तक सत्य और धर्म का पालन कर सकते हो।

(घ)

व्यक्तिवाचक	हरिश्चंद्र, रोहिताश्व, तारामती, विश्वामित्र
जातिवाचक	महाराज, पुत्र, राजा, साड़ी
भाववाचक	सत्य, परोपकार, दान, त्याग

(ङ)

पुल्लिंग	पुत्र, राजकोष, धन, फूल, दान, राज्य
स्त्रीलिंग	पत्नी, दक्षिणा, याद, परीक्षा, साड़ी, बात

(च)

1. अशांति	असंभव
अनिश्चय	असहनीय
अनुपस्थित	अधैर्य
	अधर्म
2. दुःख	विष
दिन	मृत्यु
हमारा	अंतिम
रानी	जीवित
	गंभीर

- **विचार कौशल**

(छ) राजा सत्यवादी थे। उन्होंने स्वप्न में विश्वामित्र को अपना राज्य दान कर दिया। वे उस पर अटल रहे। उन्होंने स्वयं अपनी पत्नी और पुत्र को बेचकर विश्वामित्र को दक्षिणा दी। उन्होंने श्मशान में अपनी पत्नी से साड़ी का हिस्सा फाड़कर, कर लिया और सत्यवादिता और कर्त्तव्य का उदाहरण पेश किया।

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**

1. सच बोलने से व्यक्ति सबका विश्वासपात्र बनता है।
2. जीवन में सच बोलने से नैतिकता का स्वयमेव उदय होता है।
3. सच बोलकर कुछ छिपाने की जरूरत नहीं होती।
4. सच बोलने वाले को अकसर क्षमा कर दिया जाता है।
5. सच बोलकर स्वयं को संतोष मिलता है।

- **कला समन्वय**

छात्र स्वयं करें।

❑

12. मीरा पदावली

(क) 1. (iii) वैजयंती माला
2. (ii) घुँघरू
3. (iii) विष
4. (ii) मीरा की सास

(ख) 1. मीरा के प्रभु साँवले सलोने और मोहक हैं।
2. मीरा के पास विष का प्याला राणा जी ने भेजा।
3. मीरा ने रामरतन धन प्राप्त किया।
4. प्रेम का धन दिन-प्रतिदिन सवाया बढ़ता है।
5. मीरा प्रसन्न होकर भगवान श्रीकृष्ण का गुणगान करती है।

(ग) 1. भगवान कृष्ण की कमर में छोटी घंटिका अत्यधिक शोभा देती है। पैरों में बँधे घुंघरूओं से प्यारी झंकार आती है। कृष्ण का यह बाल रूप संतों के लिए सुख देने वाला है।

2. मीरा कहती है उन्होंने कृष्ण प्रेम से कई जन्म की पूँजी पायी। जग में जो भी था वह खो गया। आशय है कि प्रेम के अतिरिक्त उनके पास सब खो गया।
यह प्रेम धन न तो खर्च होता है, इसे कोई चोर चुरा नहीं सकता और दिन-प्रतिदिन सवा गुना बढ़ता है।

(घ) 1. मोहिनी मूरति
जन्म-जन्म

(ङ) गोपाल हँसी
अपनायो
खोवायो

(च) नयन विसाल
बत्सल रतन
नास हरस
किरपा जस

- **विचार कौशल**

(छ) 1. कृष्ण की अनन्य भक्ति हेतु मीरा प्रसिद्ध हैं। मीरा ने प्रभु कृष्ण की ऐसी भक्ति की कि राणा जी का विष का प्याला भी उन्हें मार नहीं सका।

2. मीरा के पास भगवान कृष्ण के अमूल्य प्रेम का धन था। यह धन न खर्च होता न कोई चुरा सकता, जो दिन-प्रतिदिन सवा गुना बढ़ता था।

❑

13. स्वामी विवेकानन्द

(क) 1. (ii) कोलकाता
2. (iii) भुवनेश्वरी देवी
3. (ii) 25 वर्ष
4. (iii) रामकृष्ण परमहंस
5. (iii) वेल्लूर

(ख) 1. स्वामी विवेकानन्द का जन्म 12 जनवरी, 1863 को कलकत्ता (अब कोलकाता) में हुआ था।

2. स्वामी विवेकानंद को शिक्षा संस्कार अपनी माँ से मिले।

3. स्वामी जी के पिता का नाम विश्वनाथ दत्त और माँ का नाम भुवनेश्वरी देवी था।

4. स्वामी विवेकानन्द के गुरु का नाम रामकृष्ण परमहंस था।

5. उनका शरीर अत्यन्त पुष्ट और ललाट तेजोमय था। इसलिए उन्हें योद्धा संन्यासी कहा जाता था।

6. स्वामी जी ने 16 मई, 1894 को हार्वर्ड विश्वविद्यालय में भाषण दिया।

7. 4 जुलाई 1902 को वेल्लूर में स्वामीजी का स्वर्गवास हुआ।

8. विवेकानन्द ने युवाओं को संदेश दिया "उठो, जागो, स्वयं जागकर औरों को जगाओ। अपने मानव-जन्म को सफल करो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।"

(ग) दिन वासर
रचना प्रणयन
संवाद खबर
स्थली स्थान

(घ) अनुरूपता
तत्परता
पुष्टता
भारतीयता

(ङ)

राम	+	कृष्ण
थूक	+	दानी
महा	+	पुरुष
गुरु	+	देव

(च) 1. स्वामी विवेकानंद योद्धा संन्यासी नाम से जाने जाते थे।
2. स्वामी विवेकानंद का बचपन का नाम नरेंद्र था।
3. गुरु की सेवा में सदैव तत्पर रहते थे।
4. इनका स्वर्गवास 4 जुलाई, 1902 को हुआ था।

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**

हमें इस पाठ से परोपकार, मानवता, देशभक्ति और दीन दुखियों के प्रति समर्पण भाव की शिक्षा मिलती है। सभी धर्मों का आदर करना चाहिए। गुरु के प्रति गहरी निष्ठा और समर्पण का भाव होना चाहिए। लक्ष्य पाने तक प्रयासरत रहना चाहिए। सर्वधर्म समभाव और मानवता पर विश्वास करना चाहिए।

❑

14. अंधेर नगरी

(क) 1. (ii) कल्लू बनिये की
2. (iii) साढ़े तीन सेर
3. (ii) भिश्ती ने
4. (ii) पश्चिम
5. (iv) राजा

(ख) 1. बच्चा! ऐसी नगरी में रहना उचित नहीं हैं, जहाँ टके सेर भाजी और टके सेर खाजा बिकता है। मैं तो यहाँ से जा रहा हूँ, तू भी चल।
2. फरियादी ने फरियाद की कि कल्लू बनिये की दीवार गिर गई जिससे उसकी बकरी मर गई।
3. हर चीज टका सेर मिलती थी चाहे भाजी हो गया मिठाई।
4. बकरी मरने में सर्वाधिक दोष कल्लू बनिये का था। दीवार उसकी थी, बनवायी उसने थी। जो भी लगा उसकी देख-रेख में था।
5. महंत ने बताया कि इस समय ऐसी शुभ घड़ी है कि जो भी इस समय मरेगा, वह सीधा स्वर्ग जायेगा।

(ग) 1. कमजोर 2. खराब 3. अधिक,
4. बड़ी 5. गड़रिये ने 6. अंधेरे, चौपट

(घ) 1. यह नगर तो बहुत सुंदर था।
2. संकट पड़ने पर मुझे याद किया।
3. कोतवाल को फाँसी का हुक्म होगा।
4. मैं तो बिना कारण ही मारा गया।
5. मिठाई खा-खाकर गोवर्धन मोटा होता जा रहा है।

(ङ) 1. अरे! बच्चा गोवर्धन दास! तेरी यह दशा कैसे?
2. राजा के दरबार में कारीगर भिश्ती, कसाई गड़रिए सभी को माफी मिल गई।
3. क्यों भाई, मिठाई क्या भाव है?
4. अच्छा, उस चूनेवाले को बुलाओ।

- **विचार कौशल**

(च) 1. यदि राजा मूर्ख तो वहाँ का शासन भी चौपट होगा। वहाँ न्याय और अन्याय में कोई फर्क नहीं होगा। किसी भी व्यक्ति को निर्दोष होते हुए भी सूली पर लटकाया जा सकता है।

2. (i) चेला लालची था अत: अंधेर नगरी में रुक गया।
(ii) भिक्षा माँगकर खाने से अच्छा है कि व्यक्ति परिश्रम करे।
(iii) अर्ज है आपकी खिदमत में कुछ पेश करना चाहता हूँ।
(iv) शुभ दिन से कोई कार्य करना चाहिए।
(v) कारीगर ने कच्ची दीवार बनायी जिससे वह गिर गई।

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**

छात्र स्वयं करें।

❑

15. जेम्स वाट

(क) 1. (ii) एक अंग्रेज ने
2. (i) ''तुम एक आलसी लड़के हो''
3. (i) कोयले की खानों से पानी निकालने में
4. (iii) लोहे का घोड़ा
3. (iii) दो

(ख) 1. भाप की शक्ति
2. स्कॉटलैण्ड
3. क्रोधित
4. मस्तिष्क
5. आविष्कार

(ग)

'अ'	'ब'
आविष्कार	खोज
दिमाग	मस्तिष्क
उत्सुकता	इच्छा
परिश्रम	मेहनत
ताकत	शक्ति
काम	कार्य
मूर्ख	बेवकूफ
व्यर्थ	बेकार

(घ) 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗)
4. (✓) 5. (✗)

(ङ) 1. जेम्स वाट का जन्म 19 जनवरी, 1736 को स्कॉटलैण्ड में हुआ था।
2. जेम्स वाट को काष्ठकला और चित्रकला का बड़ा शौक था।
3. भाप केतली के ढक्कन को बार-बार उठा रही थी।
4. ढक्कन को बार-बार उठता देखकर जेम्स के मन में विचार आया कि भाप में शक्ति है।
5. सर्वप्रथम भाप के इंजन का प्रयोग कोयले की गाड़ी खींचने और कोयले की खानों से पानी निकालने में किया।

(च) एक बार जेम्स रसोईघर में बैठा था। वहाँ उसने केतली में पानी उबलते और भाप को ढक्कन उठाकर केतली से बाहर निकलते हुए देखा। भाप केतली का ढक्कन बार-बार उठा देती थी। वह उसको देखता ही रहा, तभी उसकी चाची रसोईघर में आई और उस पर क्रोधित हुई और बोली, तुम यहाँ क्या कर रहे हो जाओ अपने काम में लगो, तभी वह खुशी से चिल्ला उठा– "देखो देखो! भाप ढक्कन को ऊपर धकेल रही है।"

(छ)

कुशलता	समानता
विशेषता	स्वतन्त्रता
कविता	सुन्दरता
उत्सुकता	तल्लीनता
पात्रता	नम्रता

(ज) 1. घोड़ागाड़ी
ऊँटगाड़ी
रेलगाड़ी
2. आयरलैण्ड
नीदरलैण्ड
स्विट्जरलैण्ड
न्यूजीलैण्ड

3. चित्रकला
   पाककला
   शिल्पकला
   हस्तकला

- **विचार कौशल**
  छात्र स्वयं करें।
- **जीवन कौशल एवं मूल्य**
  हमें जिस चीज में रुचि हो उस पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जीवन में कुछ नया करने का जज्बा होना चाहिए। किसी भी कार्य के प्रति उत्साह होना चाहिए। जेम्स वाट से नया करने की चाह, उत्साह और अपने उद्‌देश्य के प्रति पूर्ण समर्पण की शिक्षा मिलती है। ये गुण अपने जीवन में समाहित करना चाहेंगे।

❑

16. कुछ काम करो

(क) 1. (iv) नाम को
2. (ii) हमारा
3. (ii) मन को
4. (i) जन्म
5. (ii) अलभ्य

(ख) 1. हमारा जन्म इसलिए हुआ कि कुछ सार्थक करे जिससे जग में नाम हो।
2. कर्म करने से, बिना निराश हुए अपनी वांछित वस्तु को प्राप्त कर सकते हैं।
3. प्रभु ने हमें हाथ दिये। सभी जरूरी वस्तुएँ उपलब्ध करायी है, यदि हम उन्हें प्राप्त नहीं करते तो यह हमारा दोष है।

(ग) ईश्वर द्‌वारा— बादल, पहाड़, नदियाँ, सूरज, मनुष्य
मनुष्य द्‌वारा— कुरसी, पेंसिल, हवाई-जहाज, घर, कार

(घ)

व्यर्थ	उनको
मन	विधान
घर	कहो
	मन

(ङ) असत्य
अहिंसा

(च) छात्र मनन करें।

(छ) घन
हाथ
मानव
नियम

- **विचार कौशल**

(ज) छात्र स्वयं करें।

- **कला समन्वय**

छात्र स्वयं करें।

❑

17. जलवायु

(क) 1. (ii) मौसम
2. (i) जलवायु
3. (iii) छह
4. (iii) बसंत ऋतु
5. (i) ग्रीष्म ऋतु

(ख) 1. जल वायु
2. एक
3. दिसम्बर फरवरी
4. वर्षा
5. वनस्पतियाँ

(ग) 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗)
4. (✗) 5. (✓)

(घ) 1. भारत में ग्रीष्म, वर्षा, शरद, शिशिर और हेमंत, बसंत छ: ऋतुएँ होती हैं।
2. शीत ऋतु दिसम्बर से फरवरी तक होती है इसमें लोग ऊनी-वस्त्र पहनते हैं और अलाव जलाते हैं।
3. किसी क्षेत्र की जलवायु वहाँ की स्थिति, समुद्र की दूरी तथा समुद्र तल से ऊँचाई आदि पर आधारित होती है।
4. भारत के पूर्वोत्तर असम-मेघालय में जहाँ वर्षा अधिक होती है, वही पश्चिम में राजस्थान में वर्षा कम होती है।
5. मौसम वायुमंडल में दिन-प्रतिदिन होने वाला परिवर्तन है और जलवायु किसी क्षेत्र की स्थिति, समुद्र की दूरी तथा समुद्र तल से ऊँचाई आदि पर आधारित है।

(ङ) 1. सामान्य
2. स्थिति
3. कम

4. लौटता
5. वर्षा

(च) 1. (ब) ग्रीष्म ऋतु
2. (अ) सितंबर
3. (स) आंध्र प्रदेश
4. (अ) प्रकृति
5. (ब) परिवर्तन

(छ)

निचाई	सर्दी
असामान्य	भारी
जलीय	अभिन्न

(ज)

नीर	पानी
समीर	हवा
सागर	वारिधि
वसुधा	इला

- **विचार कौशल**
  छात्र स्वयं करें।
- **कला समन्वय**
  छात्र स्वयं करें।

❑

18. मेरा बचपन

(क) 1. (iv) तेरह वर्ष
2. (iii) दीवान
3. (i) चित्रकला
4. (i) सत्यवादी हरिश्चंद्र
5. (ii) श्रवण कुमार

(ख) 1. शाम को चार बजे व्यायाम के लिए जाना था।
2. मेरे पास घड़ी न थी।
3. इससे समय का पता न चला।
4. जब मैं पहुँचा तो सब जा चुके थे।
5. दूसरे दिन मुझसे कारण पूछा गया।
6. उन्होंने उसे नहीं माना।
7. मैं झूठा नहीं हूँ, यह कैसे सिद्ध करूँ।

(ग) 1. (✓) 2. (✓) 3. (✗)
4. (✗) 5. (✓)

(घ) 1. गाँधीजी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गाँधी था।
2. वे अपनी सच्चाई प्रमाणित नहीं कर पाये। वे बादल होने के कारण समय का पता न लगा पाये और जब पहुँचे तब सब जा चुके थे। कारण बताने पर उसे नहीं माना गया।
3. उनके मन में यह बात बैठ गई कि चाहे हरिश्चंद्र की भाँति दुख उठाना पड़े, पर सत्य को कभी नहीं छोड़ना चाहिए।
4. गाँधी ने सोचा कि वे भी श्रवण कुमार की तरह बनेंगे।
5. पिताजी की सेवा के कारण और संकोची स्वभाव के कारण व्यायाम के प्रति गाँधीजी की अरुचि थी।

(ङ) 1. प्राथमिक (✓)
2. दैनिक (✓)
3. शैक्षिक (✓)
4. सामाजिक (✓)

(च)

राजकोट	जातिवाचक
शिक्षक	जातिवाचक
स्वास्थ्य	भाववाचक
न्याय	भाववाचक
कस्तूरबा	व्यक्तिवाचक
किताब	जातिवाचक

- **विचार कौशल**

(छ) सच के बराबर कोई तपस्या नहीं है और झूठ के बराबर कोई पाप नहीं है। जिसके हृदय में सच का वास है उसके हृदय में ईश्वर विराजित रहते हैं।
गाँधी जी ने राजा हरिश्चंद्र के जीवन से सत्यवादिता सीखी थी। अत: वे जीवन भर उस पर चलते रहे। जब वे व्यायाम करने न पहुँच सके तो उन्होंने बताया कि बादलों के कारण वे समय का अंदाज न लगा सके।

❑

19. आत्मविश्वास

(क) 1. (iv) ये सभी
2. (ii) असीम साहस के
3. (i) खिड़की पर
4. (i) तिनका
5. (ii) घोंसला बनाने के लिए

(ख)

बिखेर	पानी
आशा	करने
डाली	नीड़

(ग) 1. चिड़िया चोंच में तिनका लाई। वह घोंसला बनाना चाहती थी।
2. चिड़िया ने नीड़ बनाने के लिए पेड़ चुना।
3. चिड़िया को आँधी ने डराया, सताया, आँधी ने तिनको को बिखरे दिया। उससे पहले चिड़िया के लाये तिनको को जो उसने खिड़की पर रखे थे, किसी ने बिखेर दिया।
4. दृढ़-निश्चय, हिम्मत के बल पर मन में आत्मविश्वास जगा।

(घ) पक्के निश्चय और साहस के बल पर चिड़िया के मन में आत्मविश्वास जगा। घोंसला बिखर गया तो क्या बात हुई। एक नये घोंसले का निर्माण पेड़ में हुआ।

(ङ) सताया - बिखराया आती - जाती
समेटे - फूटे

(च) आँसू - टपका
आह - निकली
पंख - समेटे
विपदाएँ - टूटी
अंकुर - फूटे

- **विचार कौशल**

(छ) 1. अभिलाषा तब ही पूरी होती है जब उसके लिए परिश्रम किया जाता है।
2. विपदाएँ आती हैं लेकिन हमें साहस से उनका सामना करना चाहिए।
3. दृढ़-निश्चय ही सफलता का मूलमंत्र है।
4. आत्मविश्वास से व्यक्ति कोई भी मुकाम हासिल कर पाता है।

- **कला समन्वय**

छात्र स्वयं करें।

❑

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र-1

(क) 1. (ii) कोयल
2. (iii) मोल का लिया हुआ
3. (iii) रोना

(ख) 1. जब मनुष्य केवल अपने लिए जीने लगता है तब वह पशु के समान बन जाता है।
2. बूँद देव से कह रही थी कि उसके भाग्य में क्या लिखा है, वह बचेगी या धूल में मिल जायेगी या किसी अंगारे पर गिरकर जल जायेगी या किसी फूल पर गिर पड़ेगी।
3. श्रवण के माता-पिता ने पुत्र से तीर्थयात्रा पर जाने की इच्छा प्रकट की।
4. युधिष्ठिर के भाईयों ने यक्ष के प्रश्न दिये बगैर तालाब का जल पी लिया था।
5. कुबर्तिन फ्रांस के एक प्रसिद्ध शिक्षा शास्त्री थे। इनके प्रयास से ही पहला ओलम्पिक सन् 1896 ई० में एथेंस में आयोजित हुआ।

(ग) 1. मृत्यु 2. मरण 3. असत्य
4. अहित 5. मलिनता

(घ) 1. कृपा 2. प्रकाश 3. निर्मल
4. चंद्रमा 5. ट्रक 6. पर्व

(ङ) 1. सत्य बोलने की क्षमता दो,
दया दान दो निर्मलता दो।
2. ऐसा बल विवेक हमको दो,
जिसमें अंश नहीं तम का हो।

❑

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र-2

(क) 1. (ii) तीन-तीन साल
2. (iii) तारामती
3. (ii) मन को

(ख) 1. ईश्वर ने हमें हाथ दिये। सभी जरूरतों की वस्तुओं को दिया है।
2. स्वामी विवेकानंद का शरीर अत्यन्त पुष्ट और तेजस्वी माथा था। अत: उन्हें योद्धा संन्यासी कहते हैं।
3. महंत ने कहा इस नगर में टका सेर भाजी और टका सेर खाजा मिलता है। अत: मैं इस नगर में नहीं रहूँगा।
4. महंत ने राजा को बताया इस समय ऐसी शुभ घड़ी है कि जो भी इस समय मरेगा सीधा स्वर्ग जायेगा।

(ग) 1. जल वायु
2. उष्ण
3. दिसम्बर फरवरी
4. वर्षा
5. वनस्पतियाँ

(घ) 1. निचाई 2. सर्दी 3. असमान्य
4. भारी 5. जलीय 6. अभिन्न

(ङ) 1. पानी नीर
2. समीर पवन
3. जलधि नदीश
4. वसुँधरा वसुधा

❑